वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 280 बुधवार 7 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री का भरतपुर संभाग दौरा : अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया जनसुनवाई केन्द्र का लोकार्पण

कार्यवाही रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय में भी भेजने के दिए निर्देश। राजीविका एवं पीएम स्वनिधि योजना के तहत चेक वितरित

भरतपुर/जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को भरतपुर के ट्रैफिक चौराहे पर स्थित मुख्यमंत्री जनसुनवाई केन्द्र का फीता काटकर लोकार्पण किया। उन्होंने जनसुनवाई केंद्र परिसर का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जनसुनवाई केन्द्र में विशेषाधिकारी लगाकर कार्य शुरू कर दिया गया है।इससे आमजन की परिवेदनाओं का स्थानीय स्तर पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ सुना

मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई केन्द्र पर आमजन के अभाव-अभियोग सुने। उन्होंने आमजन की एक-एक परिवेदना को संवेदनशीलता के साथ सुनकर अधिकारियों को इन प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्राप्त परिवेदनाओं पर कार्यवाही रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय नियमित रूप से भिजवाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई के बाद भरतपुर व डीग जिले में दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 600 स्वयं सहायता समूहों को 9 करोड़ रुपए की ऋण राशि के चैक वितरित किए। इससे 7200 महिलाओं के परिवार लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को भी ऋण स्वीकृति के चेक प्रदान किए। इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक शैलेश सिंह, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, भरतपुर जिला कलक्टर लोकबंधु सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई से आमजन की समस्याओं का करें त्वरित समाधान, महत्वपूर्ण विकास कार्यों की करें नियमित मॉनिटरिंग: मुख्यमंत्री शर्मा

भरतपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। सभी विभाग योजना बनाकर गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से कार्यों को पूरा करें। उन्होंने प्रदेश को अपराध मुक्त एवं भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिये सभी विभागों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शर्मा भरतपुर कलेक्ट्रेट सभागार में संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए कि आमजन की परिवेदनाओं का समयबद्ध रूप से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर कार्य करने के

निर्देश दिए। उन्होंने जिला, उपखण्ड सहित ग्राम पंचायत स्तर तक के कार्यालयों में औचक निरीक्षण करने के निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास को गति प्रदान करने की दिशा में नियमित रूप से जन सुनवाई करते हुए योजनाओं की मॉनिटरिंग कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए। उन्होंने संभाग स्तरीय बैठक में चिकित्सा सुविधाओं, कानून-व्यवस्था, बिजली, पेयजल आपूर्ति की स्थिति, जल जीवन मिशन की प्रगति, विकसित भारत संकल्प यात्रा तथा अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षकों को नियमित रूप से जनसुनवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान स्थानीय स्तर पर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों में महत्वपूर्ण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही, इन कार्यों को समय से पूरा करने के भी निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नागरिक कार्यालयों से निराश होकर नहीं लौटे। शर्मा ने जल जीवन मिशन योजना के तहत किये गये कार्यों की गुणवत्ता की जांच उपखण्ड अधिकारियों से करवाने, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश दिए।

दिगंबर जैन महासमिति द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य एवं जाच शिविर का 4 फरवरी 2024 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक एनएचबीएच हॉस्पिटल में आयोजन किया गया। निर्मल कुमार संघी - सरला संघी, राष्ट्रीय समन्वयक चिकित्सा ने अवगत कराया कि इस शिविर में डॉक्टर संदीप मिश्रा, डॉक्टर अनिल चौधरी, डॉक्टर शोभना भाटिया, डॉक्टर सुरभि तोमर ,डॉक्टर मदन मोहन गुप्ता ,डॉ मनीष शा, डॉक्टर रवि जाखड़, डॉ विनय तोमर, डॉक्टर शशिकांत ,डॉक्टर सुमित आनंद, डॉक्टर चंद्रेश अरोड़ा तथा डॉक्टर स्वाति तोमर द्वारा विभिन्न रोगों की जांच एवं परामर्श दिया गया। इसी के साथ बीपी ,आरबीएस, यूरिक एसिड, बीएमडी ,न्यूरोपैथी बीएमआई एव ई सी जी की निशुल्क जांच की गई तथा ईको, सोनोग्राफी आदि में विशेष छूट प्रदान की गई । प्रतीक वर्मा अस्पताल के बिजनेस हेड ने अवगत कराया कि इस शिविर में सुरेंद्र कुमार - म्रदुला पाड्या राष्ट्रीय महामंत्री , अनिल - शशि जैन आंचलिक अध्यक्ष, महावीर - ललिता बाकलीवाल,आंचलिक महामंत्री, रमेश सोगानी, अंचल कोषाध्यक्ष, राजेश - सीमा बडजात्या, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान के अध्यक्ष के साथ ही दिगंबर जैन महासमिति के अनेक सदस्यों ने शिविर मे भाग लिया तथा विभिन्न रोगों की जांच कराई। अस्पताल की बिजनेस कार्यालय में कार्यरत प्रिया ने अवगत कराया कि महासमिति के सभी आगंतुक सदस्यों को माल्यार्पण कर , फूलो का गुलदस्ता तथा प्रतीक चिन्ह के रूप में डायरी एवं पेन देकर सम्मानित किया गया । हालांकि शिविर का समय 2:00 बजे तक ही था लेकिन सदस्यों की संख्या देखते हुए शिविर देर शाम तक भी चलता रहा। शिविर के साथ ही सभी के लिये हाई - टी का आयोजन भी अस्पताल द्वारा ही किया गया था। सुरेंद्र कुमार पांड्या, अनिल जैन ने शिविर को अत्यंत ही उपयोगी बताया तथा महावीर बाकलीवाल ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद प्रेषित किया।

दिव्यांग सेवा शिविर वागड़ के लिए बना वरदान : सांसद कनकमल कटारा

नौगांव. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर, अपना परिवार संस्थान बांसवाड़ा एवं न्यू लुक स्कूल के सयुक्त तत्वावधान में विशाल दिव्यांग शिविर का आयोजन हुआ। अपना परिवार संस्थान के संस्थापक विकेश मेहता ने बताया की इस उद्घाटन समारोह में संत रघुवीर दास जी, क्षेत्रीय सांसद कनकमल कटारा, संभागीय आयुक्त नीरज के पवन, राष्ट्रीय पर्यावरण बाबूलाल जाजू ,जिला जज अभय जैन , विधिक प्राधिकरण सेवा के जज रामावत, भाजपा जिला अध्यक्ष लाभचंद पटेल, मयूर मिल, लोधा के सीईओ नरेश बहेडिया, भाजपा के नेता हकरू मईडा, भाजपा के जिला महामंत्री नरेंद्र वैष्णव, मीडिया प्रभारी संजय पंड्या, न्यू लुक संस्थान के निदेशक प्रदीप कोठारी,समाज सेवी डा मुन्नवर हुसैन सुरेश सिंघवी, बाल कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष गोपाल पंड्या, मयूर मिल के मनोज शाह आदि उपास्थित रहे संचालन विजय कृष्ण वैष्णव ने किया। इस शिविर में बांसवाड़ा डूंगरपुर प्रतापगढ़ रतलाम एवं गुजरात के कई जिलों के लोग लाभान्वित हो रहे हैं शिविर में विभिन्न उपकरणों में दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल व्हीलचेयर जयपुर फुट बैसाखियां कान में सुनने की मशीन ब्लाइंड साड़ी समय कई उपकरण प्रदान किए गए यह शिविर 6 और 7 फरवरी को भी चलेगा।

सप्तम पट्टाचार्य श्री 108 ज्ञेय सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर शालीमार एनक्लेव कमला नगर में हुआ

आगरा. शाबाश इंडिया

षष्ट पट्टाचार्य आचार्य श्री 108 ज्ञान सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य सप्तम पट्टाचार्य श्री 108 ज्ञेय सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश 5 फरवरी को आगरा के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर शालीमार एनक्लेव कमला नगर में शाम 4 बजे हुआ। भक्तों ने आचार्यश्री का जगह- जगह पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती की एवं मंदिर पर स्वागत एवं आरती कर पूज्य अचार्य संघ का की अगवानी की।इस अवसर पर सभी बहुत से उत्साहित एवं प्रफुल्लित थे। परम पूज्य आचार्य श्री ससंघ श्री ज्ञान तीर्थ क्षेत्र मुरैना, मध्यप्रदेश से मंगल विहार कर आगरा पहुंचे हैं। दैनिक कार्यक्रम इस प्रकार रहेंगे प्रवचन प्रातः 8:00 बजे आहार चर्या प्रातः 10:30 बजे आरती शाम 7:00 बजे शंका समाधान शाम 4:00 बजे। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि परम पूज्य आचार्य श्री के ससंघ सानिध्य में दिनांक 8 फरवरी 2024 को श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, शालीमार एनक्लेव, कमला नगर, आगरा में देवाधिदेव प्रथम तीर्थंकर 1008 श्री आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक बड़े ही विधि विधान एवं धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर राजकुमार जैन गुड्डु, अजीत जैन,अंकेश जैन, विनीत जैन, प्रदीप जैन, पूरन जैन, रूप जैन, संजू जैन,यश जैन,अनिता जैन, विनीता जैन,कमला जैन,आदि भक्त गण उपस्थित रहे।

मंडाभीमसिंह में चल रहे धार्मिक आयोजन में उमड़े श्रद्धालु

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी के सानिध्य में आयोजित हो रहा है धार्मिक आयोजन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैसलाना। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम मंडाभीमसिंह में चल रहे 200 वॉ स्थापना दिवस, कलशारोहण, ध्वजारोहण, श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन 3 फरवरी से 8 फरवरी तक आयोजित हो रहा है। सोमवार को जिनेंद्र अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजन, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, आर्यिका माताजी के पाद-प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजन, माताजी की आहारचर्या, महाआरती, मंगलाचरण, भक्ति संध्या का आयोजन हुआ।इंद्र-इंद्राणी श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान में भक्ति में झूम उठे।शाम को महाआरती में पुण्यार्जक परिवार अपने घर से नाचते गाते हुए पंडाल में पहुंचे जहां भक्तिमय महाआरती की गई। भजनसम्राट केशव के भजनों से भक्त भावविभोर होकर भक्ति में झूम उठे। वहीं इसके बाद सौरभ जैन एंड पार्टी ललितपुर द्वारा एक लघुनाटिका राजा हरीशचंद्र दिखाई गई। इस दौरान भैंसलाना, हिंगोनिया, जोबनेर, मींडा,रेनवाल, जयपुर सहित अन्य शहरों गावों के श्रद्धालु मौजूद रहे।

सीकरी में हुआ आर्शमति माताजी का मंगल प्रवेश

समाज ने की आर्यिका संघ की अगवानी

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

सीकरी । नगर में जैन साध्वी आर्यिका संघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। परम पूज्य सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की सुशिष्या गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माताजी ससंघ का रविवार को सीकरी में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। युवा परिषद् के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि आगरा में माताजी का वषायोग संपन्न हुआ था । जम्मूस्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा की बंदना के पश्चात विहार कर आर्यिका संघ ने डाबक गांव में रात्रि विश्राम किया ।स्थानीय गुर्जर समुदाय ने माताजी की बड़े ही भक्ति भाव से अगवानी की और उनके प्रवचनों का लाभ लिया । तत्पश्चात रविवार प्रातः काल में गुर्जर समुदाय के महिला, पुरुष व बच्चे अपने अपने कामों को छोड़कर डीजे पर भक्ति भाव के साथ नृत्य करते हुए जैन समाज के साथ जैन साध्वियों को सीकरी तक लेकर आएं ।जहां जैन समाज के महिला मंडल व विद्यासागर पाठशाला के बच्चों द्वारा जैन ध्वज हाथों में लेकर ढोल के साथ भव्य आगवानी की । जैन मंदिर पर गुर्जर समाज के लोगों का जैन समाज द्वारा स्वागत सम्मान भी किया गया।

वेद ज्ञान

दुख बेहद स्वाभाविक है

संसार में सभी किसी न किसी कारण दुखी हैं। कोई अधिक, कोई अल्प। दुख स्वाभाविक है जब परिस्थितियां अनुकूल न हों, कभी स्थितियों पर हमारा वश नहीं होता अथवा उनके निदान के हमारे प्रयास विफल हो जाते हैं। वावजूद इसके, हमारे अधिकांश दुखों का कारण हम स्वयं हैं। मन में चल रहे विकार समाज और संसार को देखने का दृष्टिकोण बदल देते हैं। मन का अहंकार दूसरों की उपलब्धियां देख ईर्ष्या और क्रोध उत्पन्न करता है। मन में बसा लोभ कामनाओं की पूर्ति न होने से क्षोभ और निराशा को जन्म देता है। मनुष्य यह विश्वास कर ले कि वह किसी का भी भाग्यविधाता नहीं है, तो उसके दुख कम हो जाएंगे। यदि वह किसी को कुछ देने की स्थिति में है, तब भी वह दाता नहीं है। दाता एक ही है परमेश्वर। मनुष्य को तो उसने माध्यम बना रखा है। यदि ईश्वर किसी को देना चाहता है तो उसके पास माध्यमों का अभाव नहीं है। उसे देने से रोक लेने की सामर्थ्य भी किसी मनुष्य में नहीं है। मनुष्य का जन्म माता व पिता के संयोग से हुआ और पंच तत्वों से मिल कर उसका तन बना। इस तन में जीव का निवास परमात्मा की कृपा से ही हुआ। जीव के बिना तन निर्जीव है। तन तभी तक सजीव है जब तक परमात्मा उसमें जीव को स्थित किए हुए है। यह परमात्मा का सबसे बड़ा उपकार है। मनुष्य को तो प्रत्येक सांस हर पल के लिए परमेश्वर का आभारी होना चाहिए कि उसने इतनी सुंदर सृष्टि को देखने का अवसर दिया। परमात्मा की इस महान कृपा के अहसास के साथ जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। जिस परमात्मा ने जीवन दिया है वही इसका संरक्षण भी करेगा। जैसे मनुष्य अपनी बनाई कृतियों से प्यार करता है और उन्हें सुरक्षित रखने के प्रयास करता है, वैसा ही परमात्मा है। परमात्मा ने संपूर्ण सृष्टि की रचना की और उसे संभाल रहा है। सृष्टि के संचालन का सबसे मुख्य तत्व है संतुलन। जन्म और मृत्य आदि सभी एक निश्चित नियम से आबद्ध हैं। मनुष्य यदि संयम और संतुलन को जीवन का तत्व बनाए तो जीवन सहज और आनंद से परिपूर्ण हो जाएगा।

संपादकीय

आसियान की अहमियत

आसियान- भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा इसी माह होनी है। देश का उद्योग जगत लंबे समय से इसकी मांग कर रहा था। वह समझौते के प्रावधानों में संशोधन चाहता है ताकि द्विपक्षीय व्यापार संतुलन, जो आसियान के पक्ष में है, उसे कम किया जा सके या पलटा जा सके। गत नवंबर में समीक्षा की घोषणा के तत्काल बाद भारतीय उद्योग जगत से आए वक्तव्यों में आसियान से चुनिंदा वस्तुओं का आयात बढ़ने को लेकर चिह्नित किया गया था। बहरहाल, अगर भारतीय वातार्कार केवल इन आशंकाओं से निर्देशित न हों तथा अन्य उभरते वैश्विक तथा क्षेत्रीय व्यापार संदर्भों को भी ध्यान में रखें तो बेहतर होगा। एआईटीआईजीए 2009 में हस्ताक्षरित एक उथला मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है।

इस मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से कुछ आसियान देशों को भी अपेक्षाकृत अधिक लाभ प्रदान किया गया जो प्रायः बड़ी नकारात्मक सूची वाले हैं। इसके अतिरिक्त रूल्स ऑफ ओरिजिन (आरओओ) ने सिंगापुर जैसे सदस्य देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय एफटीए की तुलना में सीमित मूल्यवर्धित सामग्री की बात कही। सेवाओं के उदारीकरण से जुड़े समझौते में अपेक्षित क्षतिपूर्ति लाभ भी उस लंबी अवधि के कारण फलीभूत नहीं हो सका जिस दौरान वार्ता हुई। आसियान के अंदर सेवा क्षेत्र के सीमित उदारीकरण के कारण भी ऐसा हुआ। आसियान के साथ बढ़ते घाटे के लिए भारत का उच्च टैरिफ अधिक बड़ी वजह है। इसके अलावा भारत की सीमित निर्यात प्रतिस्पर्धा क्षमता के कारण आसियान देशों को अपेक्षाकृत अधिक प्राथमिकता मार्जिन प्रदान किया जा रहा है। भारत के प्रायः सभी एफटीए में इन दोनों कारकों का योगदान है क्योंकि भारत गैर कृषि क्षेत्र में तरजीही देशों में अधिकांशतः अधिक औसत टैरिफ रखता है। ऐसे में भारत के लिए यह उपयुक्त होगा कि वह संशोधन प्रक्रिया आरंभ होने के पहले आयात टैरिफ कम करे। समीक्षा वार्ता में यह बात भी ध्यान देने लायक हो सकती है कि कृषि और वस्त्र क्षेत्र को भारत अक्सर आसियान के गैर टैरिफ उपायों द्वारा उच्च सुरक्षा के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करता है, वे उन क्षेत्रों में से हैं जो दुनिया के अधिकांश एफटीए में तरजीही बाजार के दायरे से बाहर हैं। बहरहाल, एफटीए समीक्षा के व्यापक संदर्भ को दूरगामी लाभ के नजरिये से देखना जरूरी है जो क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखला के एकीकरण के साथ भारत को हो सकता है। आसियान के साथ एफटीए में संशोधन भारत को अवसर देता है कि वह क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसेप) से बाहर रहने के कारण हुए नुकसान की भरपाई कर सके। इसके माध्यम वे वह क्षेत्रीय वैश्विक मूल्य श्रृंखला केंद्र के साथ भी जुड़ सकता है। यह समय से उठाया गया कदम है क्योंकि क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को लेकर आसियान की केंद्रीयता ''चीन प्लस वन'' की विविधता की रणनीति के कारण नए सिरे से जोर पकड़ रही है।

परिदृश्य

नई चालें...

रूस के मास्को स्थित भारतीय दूतावास में तैनात एक कर्मचारी की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ को गुप्त दस्तावेज मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तारी से एक बार फिर यह जरूरत रेखांकित हुई है कि ऐसे कर्मचारियों पर नजर रखने का तंत्र और पुख्ता बनाया जाना चाहिए। हालांकि खुफिया तंत्र की निरंतर निगरानी की वजह से ही उक्त कर्मचारी के कारनामे उजागर हुए और जब वह उत्तर प्रदेश के अपने गांव लौटा तो वहां के आतंकरोधी दस्ते ने उसे धर दबोचा। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। एक लड़की के मोहपाश में फंस कर उसने यह सब किया। अब केंद्रीय गृह विभाग छानबीन कर रहा है कि उस कर्मचारी ने क्या-क्या गुप्त सूचनाएं आइएसआइ को मुहैया कराईं और उसकी एवज में कितने पैसे लिए। हालांकि यह पहली घटना नहीं है जब आइएसआइ को किसी सरकारी अमले ने महत्त्वपूर्ण गुप्त सूचनाएं उपलब्ध कराई। पिछले वर्ष रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ के एक बड़े अधिकारी को भी इसी तरह सूचनाएं पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ऐसी जासूसी की कोशिशें प्रायः हर देश करता है, इसलिए इससे निपटने के पुख्ता इंतजाम न हों, तो काफी नुकसान की आशंका बनी रहती है। भारतीय दूतावास के कर्मचारी को इसीलिए आइएसआइ ने अपने जाल में फंसाया कि वहां से सैन्य गतिविधियों की जानकारी आसानी से हासिल की जा सकती है। चूंकि सेना और दूतावासों के बीच नियमित रूप से सैनिकों की तैनाती, उनकी गतिविधियों आदि से जुड़ी जानकारियां साझा की जाती हैं, इसलिए वहां से उनके बारे में पता लगाना आसान होता है। जिस कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया, वह बहुउद्देश्यीय कार्यों में लगा हुआ था, ऐसी सूचनाओं तक उसकी पहुंच आसान थी। हालांकि दूतावासों, रक्षा अनुसंधान संगठन और दूसरे संवेदनशील, अतिगोपनीय और रणनीतिक कार्यों में लगे लोगों पर निरंतर निगरानी रखी जाती है, मगर ऐसे लोगों की राष्ट्र के प्रति निष्ठा ज्यादा महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। फिर भी आइएसआइ जैसे संगठन अपने बिछाए जाल और प्रलोभन में ऐसे इक्का-दुक्का घर के भेदियों को फांस लेते हैं। पाकिस्तान जैसे देश के लिए जासूसी करने या गोपनीय सूचनाएं उपलब्ध कराने वालों से इसलिए बड़ा खतरा है कि वह हमेशा भारत को अस्थिर करने की ताक में रहता है। छिपी बात नहीं है कि आइएसआइ अपने यहां प्रशिक्षित आतंकियों को भारतीय सीमा में भेजने की रणनीति बनाता रहता है। ऐसे में अगर भारतीय सेना की गतिविधियों की सूचना उपलब्ध हो जाती है, तो उसके लिए अपनी साजिशों को अंजाम देना आसान हो जाता है। हालांकि भारतीय सेना और खुफिया एजंसियां भारतीय नागरिकों के पाकिस्तान से संबंधों पर नजर रखती हैं, फिर भी अगर दूतावास जैसी जगहों पर काम करने वाला कोई कर्मचारी भी राष्ट्रद्रोह से बाज नहीं आता, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे लोगों पर निगरानी तंत्र को और चाक-चौबंद बनाने की जरूरत रेखांकित होती है। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ सकता। नियंत्रण रेखा पर वहां की सेना जब-तब गोलीबारी करके इसीलिए भारतीय सेना का ध्यान भटकाने का प्रयास करती रहती है कि आइएसआइ की रणनीति के तहत आतंकवादियों को सीमा पार भेजा जा सके। इस पर काफी हद तक अंकुश लगने के बाद वह भारतीय दूतावासों के जरिए सूचनाएं जुटाने का प्रयास करता है।

रानी बाग में संपन्न पंचकल्याणक वर्षगांठ समारोह

रोहिणी. शाबाश इंडिया

पीतमपुरा क्षेत्र के प्रथम जिनालय श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, रानी बाग के पुनः निर्माण के पश्चात पंचकल्याणक प्रतिष्ठा की पंचम वर्षगांठ के अवसर पर प. पू. आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में श्री आदिनाथ पंचकल्याणक विधान एवं विश्वशान्ति महायज्ञ का भव्य आयोजन दिनांक 4 फरवरी 2024 को महती धर्मप्रभावना के साथ सानंद संपन्न हुआ। समस्त मांगलिक क्रिया पं. मनीष जैन 'संजू' के निर्देशन में विधि-विधान पूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर मूलनायक श्री शान्तिनाथ भगवान की मनोहारी प्रतिमा का 108 कलशों द्वारा महामस्तकाभिषेक किया गया। सौभाग्यशाली पात्रों द्वारा श्रीजी

का प्रथम अभिषेक व शान्तिधारा किया गया। तत्पश्चात श्रीमति बबीता जैन झांझरी (रोहिणी) की सुमधुर संगीत लहरियों के साथ सौधर्म इन्द्र, यज्ञनायक व विशेष इन्द्रों के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्री आदिनाथ पंचकल्याणक विधान में सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि जिनमन्दिर सम्यक-दर्शन की प्राप्ति हेतु प्रमुख साधन है। वर्तमान में हम सभी पूजा-पाठ, विधान, व्रत, उपवास आदि धार्मिक क्रियाकलाप में बढ़-चढ़ कर सहभागिता करते हैं, परंतु सम्यक-दर्शन के बिना सभी क्रियाएं पुण्यवर्धक तो हैं मोक्षप्रदायक नहीं। इसलिए मोक्षमार्ग पर बढ़ने से पहले सम्यक-दर्शन की प्राप्ति करनी चाहिए। कार्यक्रम का समापन विश्वशान्ति महायज्ञ से हुआ जिसमें सभी भक्तों ने प्राणी मात्र के कल्याण की कामना करते हुए आहुति दी. विधान में सम्मिलित सभी श्रद्धालुओं को सौधर्म इन्द्र परिवार द्वारा विशेष उपहार प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच राजस्थान द्वारा आयोजित "एक देश-एक कानून" विषय पर संगोष्ठी

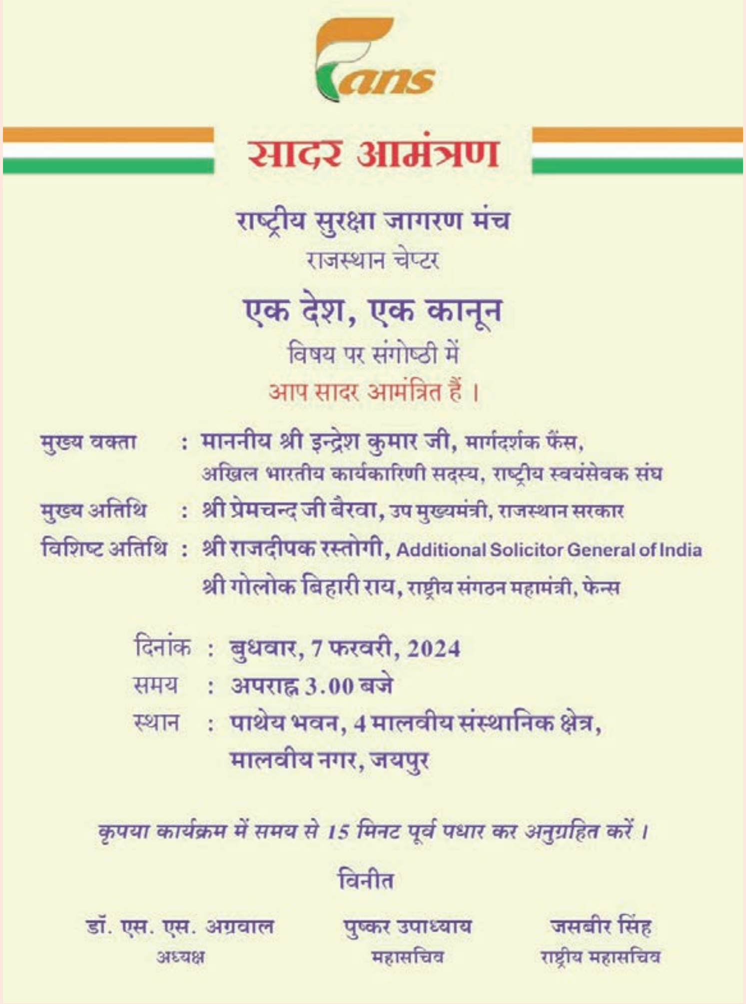

मुख्य वक्ता : माननीय श्री इन्द्रेश कुमार जी, मार्गदर्शक फेन्स, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ।
मुख्य अतिथि : श्री प्रेमचन्द जी बैरवा, उप मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार।
विशिष्ट अतिथि : श्री राजदीपक रस्तोगी, Additional Solicitor General of India
श्री गोलोक बिहारी राय, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, फेन्स
दिनांक : बुधवार, 7 फरवरी 2024
समय : अपराह्न 3:00 बजे
स्थान : पाथेय भवन, 4 मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर

डॉ. एस एस अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष
पुष्कर उपाध्याय, महासचिव
मुकेश पारीक, कोषाध्यक्ष

वैवाहिक वर्षगांठ पर श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान में छात्रो को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान में छात्रो को भोजन कराया। संस्थान के राहुल जैन ने बताया कि कमल प्रकाश मैना देवी बाकलीवाल की वैवाहिक वर्षगांठ पर यह आयोजन किया गया।

श्री दिगम्बर जैन लोकोदय तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टियों ने रामलाल वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं को परखा

आगरा. शाबाश इंडिया। मंगलवार को श्री दिगम्बर जैन लोकोदय तीर्थक्षेत्र आगरा के ट्रस्टीगणों ने रामलाल वृद्ध आश्रम का दौरा किया। उन्होंने आश्रम की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। वृद्धजनों को वस्त्र और फल वितरित करने के साथ ही भोजन भी परोसा, वहीं आश्रम की गोशाला में गोवंश को चारा खिलाकर सेवा कार्य भी किया। इस दौरान आश्रम में आयोजित समारोह में सभी ट्रस्टियों को आश्रम की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। इस दौरान ट्रस्ट की ओर से रामलाल वृद्ध आश्रम और गोशाला के लिए 51000-51000 रुपये की धनराशि बतौर दान दी गई। रामलाल वृद्ध आश्रम में किस तरह नर सेवा और गो सेवा होती है, यह आश्रम किस तरह संसाधन जुटाता है, कैसे इसका प्रबंधन करता है, इन सब व्यवस्थाओं का भौतिक निरीक्षण करने के साथ ही वृद्धजनों और गोवंश की सेवाभाव का संकल्प लेकर लोकोदय तीर्थ क्षेत्र के सभी ट्रस्टी आश्रम पहुंचे थे। इन सभी ट्रस्टियों ने पहले गोशाला का निरीक्षण कर गोमाता को चारा खिलाया। फिर बकरीशाला में पहुंचकर समय बिताया। इसके बाद उन्होंने वृद्ध आश्रम में जीवनयापन कर रहे वृद्धजनों के साथ बड़ी ही आत्मीयता के साथ बातचीत कर उनका हालचाल जाना। इन सभी वृद्धजनों को उपहार के रुप में वस्त्र और फल भी वितरित किए। रामलाल वृद्ध आश्रम में लोकोदय तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टियों के सम्मान में एक समारोह का भी आयोजन किया गया। इस समारोह को संबोधित करते हुए लोकोदय तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप जैन (चेयरमैन पीएनसी ग्रुप) ने रामलाल वृद्ध आश्रम की व्यवस्थाओं की मुक्तकंठ प्रशंसा की।

जयकारों के बीच भगवान महावीर की प्रतिमा हुई विराजमान

कामा. शाबाश इंडिया। कस्बे के कोट ऊपर स्थित आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़े मंदिर में जिनेंद्र शास्त्री मथुरा के निर्देशन में शांति विधान का आयोजन पदमचंद, रवि कुमार, शैलेश जैन टाल वाले परिवार द्वारा आयोजित कर भगवान महावीर की नवीन प्रतिमा मूल वेदी में जैन धर्म के जयकारों के बीच विराजमान की गई। जैन समाज से प्राप्त सूचना के अनुसार फिरोजपुर झिरका में आचार्य ज्ञानभूषण महाराज के सानिध्य में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्टित चौबीसवें तीर्थकर भगवान महावीर की प्रतिमा को विधि विधान से मूल वेदी में विराजमान कराया गया तो वही इस अवसर पर जिनेंद्र शास्त्री ने कहा कि बड़े ही पुण्य के प्रताप से भगवान की प्रतिमा विराजमान करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। कामां जैन समाज बड़ी ही धार्मिक भावनाओं से ओत प्रोत है यहां धार्मिक आयोजन अनवरत होते ही रहते हैं। कार्यक्रम में दीपक जैन सर्राफ, संजय जैन सर्राफ, संजय जैन बड़जात्या ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पुण्य की क्रियाओं की अनुमोदना के साथ साथ उनमें सम्मिलित भी होना चाहिए। इस अवसर पदमचंद जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। मधुर संगीत के साथ सभी ने भक्ति का आनंद लिया।

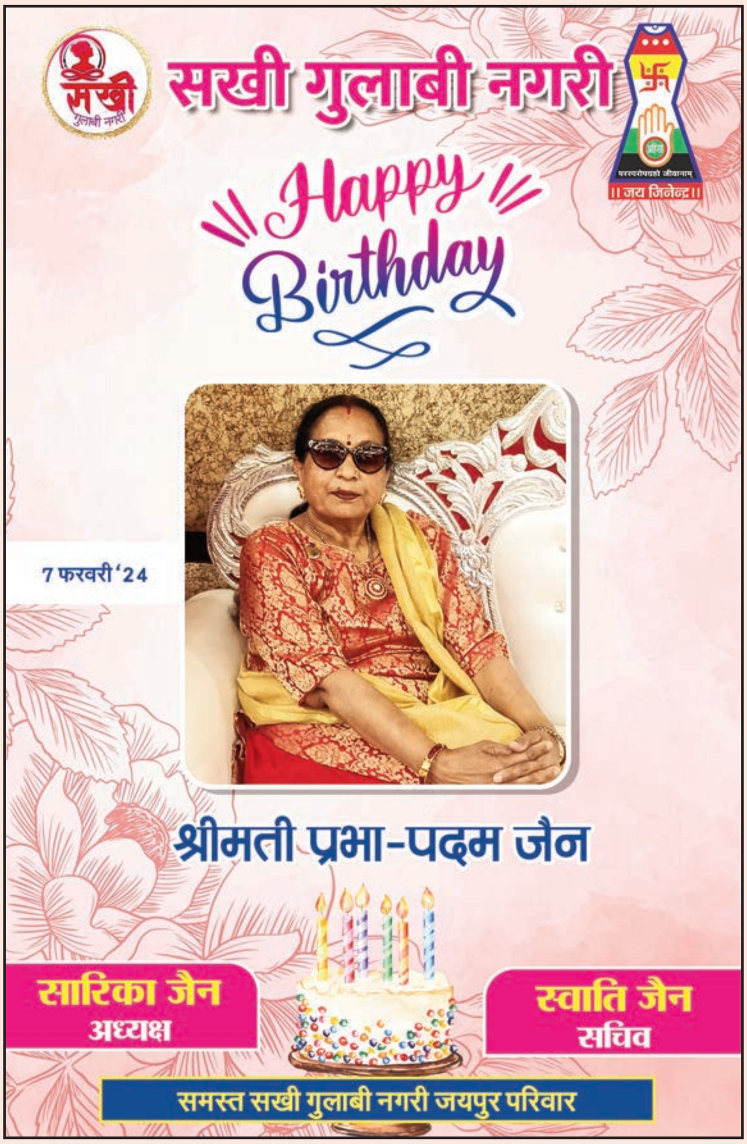

''साइंस इन एक्शन'' अवेयरनैस कैंपेन डाबर च्यवनप्राश ने लॉन्च किया

उदयपुर. शाबाश इंडिया

विज्ञान आधारित भारत की प्रमुख कंपनी में एक आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने उपभोक्ताओं को आयुर्वेद के फायदों और सेहतमंद जीवनशैली के बारे में जागरुक बनाने के लिए जागरुकता अभियान ''साइंस इन एक्शन'' की शुरूआत की है। इसके तहत डाबर, जाने-माने आयुर्वेदिक चिकित्सकों के साथ 22 शहरों के स्कूलों में सेमिनार का आयोजन भी करेगा। ये सत्र बच्चों को बताएंगे कि किस तरह आयुर्वेद कैसे उनके उज्जवल और स्वस्थ भविष्य निर्माण में योगदान दे सकता है। इसी अभियान के उद्देश्य से मंगलवार को लेकसिटी के दक्ष एकेडमी स्कूल में एक मेगा जागरूकता पहल की शुरूआत हुई। इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के मैनेजर कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन दिनेश कुमार ने 250 से अधिक बच्चों को जागरूक किया। इस मौके पर प्रवीण सिंह राजपुरोहित, लोकेश कुम्हार प्रजापति (प्राचार्य) और दक्ष एकेडमी स्कूल के सभी अध्यापक उपस्थित थे। कैंपेन का लॉन्च करते हुए डाबर इंडिया लिमिटेड एजीएम माकेर्टंग, हेल्थ सप्लीमेन्ट्स के राकेश टहलियानी ने कहा कि आज के दौर में सभी लोग अपने स्वास्थ्य और कल्याण का महत्व समझ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए डाबर उन्हें विज्ञान पर आधारित जानकारी देकर परम्परा और आधुनिकता के बीच के अंतर को दूर करना चाहता है। इस कैंपेन ''साइंस इन एक्शन'' के साथ डाबर आयुर्वेद से जुड़े मिथकों को दूर कर लोगों को सही जानकारी देना चाहता है ताकि वे आयुर्वेद के फायदों को समझें और इस बात कों जानें कि स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जीने का सबसे आसान तरीका है अपने रोजमर्रा में च्यवनप्राश का सेवन करना। डॉ.परमेश्वर अरोरा ने कहा कि गहन अनुसंधान के बाद डाबर के सभी प्रोडक्ट्स तैयार किए जाते हैं। डाबर च्यवनप्राश ने पिछले सालों के दौरान इम्युनिटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। **रिपोर्ट/ फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'**

नवीन भंडारी ट्रस्टी श्री राम आशापुरन चैरिटेबल ट्रस्ट की संपूर्ण टीम की तरफ से

आदरणीय सुनील कोठारी जी को बहुत-बहुत बधाई

महारा जैपुर- प्यारा जयपुर
''सांगानेर को साँगा बाबा, जयपुर को हनुमान
आमेर की शीला देवी, लाये राजा मान''

हमारी विरासत के मार्ग पर चलते हुए जयपुर को बेहतर आज और श्रेष्ठ कल के संकल्प के साथ ''साँगा बाबा सांगानेर से आमेर शीला देवी मंदिर'' तक संकल्प पद यात्रा के सब का साथ जयपुर एकता का भाव चरितार्थ करते हुए संकल्प यात्रा को सकुशल संपूर्ण करने पर आपको संपूर्ण जयपुर वासियों की तरफ से बहुत-बहुत बधाई जो जयपुर वासियों की एकजूटता और अखंडता, एकता का उदाहरण विपक्ष की सरकार के सामने एक ऐतिहासिक जन जागृति का पेश किया वह अपने आप में अनूठा था। जयपुर की जनता को आप जैसे कुशल नेतृत्व करने का सौभाग्य जयपुर वासियों को मिले जिससे जयपुर की जनता आपके नेतृत्व में अपने परंपरागत एवं सांस्कृतिक धरोहर को महफूज समझ सके ' जयपुर की जनता आपके अंदर एक अद्भुत कार्य करने की क्षमता देखती हैं आपने उस कठिन परिस्थितियों में जयपुर को दो भागों में नहीं बटने दिया और जयपुर की जनता के नेतृत्व करते हुए सभी को एक माला में पुरेने का कार्य किया। जयपुर को आप जैसे योग्य,निष्ठावान एवं नेतृत्व करने की क्षमता रखने वाले व्यक्ति, दूरदर्शिता की सोच रखने वाले एवं अपने कर्तव्य को समझने वाले आपने जयपुर की जनता के दिल में अपनी एक अलग ही पहचान कायम की है आप जैसे विभिन्न प्रतिभाओं के धनी को जयपुर पाकर कृतज्ञ हुआ। **सादरः नवीन भंडारी**

जैन पत्रकार महासंघ ने समाज भूषण राजेंद्र के गोधा स्मृति जैन पत्रकारिता पुरस्कार प्रदाता का सम्मान किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन पत्रकार महासंघ (रजि) के राष्ट्रीय अधिवेशन जैन धर्म स्थल शीतल तीर्थ रतलाम में राजेन्द्र के गोधा स्मृति जैन पत्रकारिता पुरस्कार प्रदाता समाचार जगत के संपादक शैलेंद्र गोधा एवं निशांत गोधा जयपुर का सम्मान समाचार जगत कार्यालय में आयोजित महासंघ की मीटिंग 5 फरवरी दोपहर 2:00 बजे महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री महेंद्र बैराठी ,जयपुर जिला संयोजक चक्रेश जैन ने किया। महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि मीटिंग में संरक्षक सदस्य शैलेश गोधा ने आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर महानगर में कराए जाने का प्रस्ताव रखा , जिस पर चर्चा की गई ,आगामी कार्य समिति की मीटिंग में निर्णय लिए जाने की सहमति हुई। साधारण सभा रतलाम में महासंघ के सदस्यों को जैन तीर्थ क्षेत्रों पर प्राथमिकता से आवास की सुविधा उपलब्ध कराने व दो वरिष्ठ व श्रेष्ठ पत्रकारों को पुरस्कार के अतिरिक्त तीसरा पुरस्कार जैन धर्म स्थल शीतल तीर्थ पत्रिकारिता पुरस्कार दिये जाने की घोषणा क्षेत्र की अधिष्ठात्री डॉ. सविता दीदी रतलाम एवं पंचकल्याणक महामहोत्सव के महामंत्री डॉ. अनुपम जैन इंदौर ने की।

जन्मदिन पर विशेष

यारों के यार-सुजीत कुमार

उदयपुर. शाबाश इंडिया

एक खूबसूरत, बांका नौजवान कॉलेज के मंच पर चल रहे नाटक में अभिनय कर रहा था, जिसे निर्णायक मंडल में बैठे प्रसिद्ध फिल्मकार फणी मजूमदार, बड़ी गौर से देख रहे थे। जैसे ही नाटक खत्म हुआ, फणी जी ने उस नौजवान को अपने पास बुलाया और कहा कि तुम फिल्मों में कोशिश क्यों नहीं करते? कॉलेज में वकालत की पढ़ाई कर रहे इस छात्र के लिए फणी साहब के ये शब्द किसी वरदान से कम नहीं थे। बस फिर क्या था, युवा अभिनेता ने अपनी मातृभूमि बनारस से आशीर्वाद लिया और पहुंच गया, फिल्म नगरी मुंबई, जो उन दिनों बंबई हुआ करती थी। थोड़े संघर्ष के बाद उसे पहली फिल्म मिली, किशोर कुमार द्वारा निर्मित ह्यदूर गगन की छांव मेंह्व और भारतीय फिल्म जगत को मिला एक सशक्त अभिनेता- सुजीत कुमार। जिन्होंने एक विविधरंगी अभिनेता के रूप में इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। जरा याद कीजिए ट्रेन के साथ-साथ जीप दौड़ाते फिल्म 'आराधना' के उन दो दोस्तों को, जिनमें एक तो अपनी महबूबा को इम्प्रैस करने के लिए गाना गाता है और दूसरा उसकी ताल में ताल मिलाकर माउथ ऑर्गन बजाता है। राजेश खन्ना और सुजीत कुमार की जोड़ी को उन दिनों फिल्मों की सबसे हिट जोड़ी माना जाता था, जिसे 'हाथी मेरे साथी', 'अमर प्रेम', 'महबूबा' और 'रोटी' जैसी बेहतरीन फिल्मों में बार-बार रिपीट किया गया। उत्तरप्रदेश के एक किसान परिवार में जन्मे इस प्रतिभाली अभिनेता ने न सिर्फ राजेश खन्ना, धर्मेन्द्र और अमिताभ जैसे चोटी के सितारों के साथ काम किया, बल्कि अपने काम से हर फिल्म में अपनी उपस्थिति का अहसास भी कराया। 150 से अधिक हिंदी फिल्मों में अपने लाजवाब अभिनय की छाप

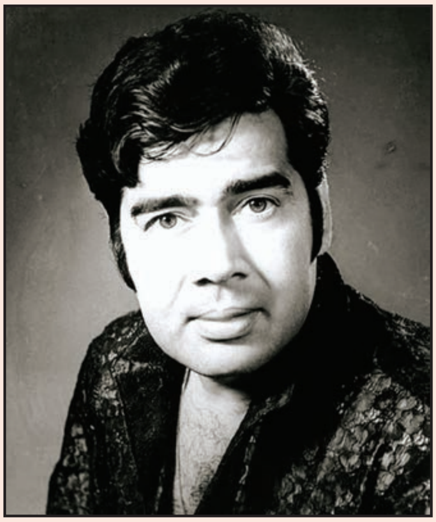

छोड़ने वाले सुजीत कुमार ने एक वक्त में भोजपुरी सिनेमा पर भी राज किया। 1977 में भोजपुरी की पहली रंगीन फिल्म 'दंगल' के वो हीरो थे। 1983 में उन्होंने 'पान खाए सैंया हमार' का निर्माण और निर्देशन दोनों ही किया था। 7 फरवरी, 1934 को जन्मे सुजीत कुमार का, 5 फरवरी, 2010 में कैंसर की वजह से निधन हो गया, आज उनका जन्मदिन है और उनके चाहने वालों की ओर से श्रद्धांजलि स्वरूप, साकिब लखनवी के इस शेर बेहतर और क्या हो सकता है...

जमाना बड़े शौक से सुन रहा था,
तुम्हीं सो गए दास्ताँ कहते कहते.....

ओमपाल सीलन,
फिल्म पत्रकार एवं समीक्षक,
वीआईएफटी, उदयपुर।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

अपने अन्दर प्रेम, प्रसन्नता, सुख, शान्ति और आनंद को ढूंढना आसान काम नहीं है...

और हाँ -- इसे बाहर खोजना भी सम्भव नहीं है..!

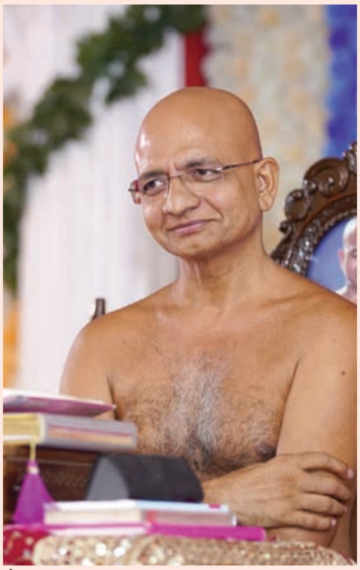

इसलिए किसी विचारक ने कहा - मन, विचारों का पुलिन्दा है। मन की चंचलता का कारण परिचय और परिग्रह है। अति परिचय और अति परिग्रह से मन की शान्ति भंग हो जाती है। मन अति चंचल हो जाता है। परिचय और परिग्रह के सागर में विचारों और विकल्पों की तरंगे उठने लगती है, जिससे मन व्याग्र हो उठता है। परिग्रह क्या है-? आवश्यकता से ज्यादा रखना ही परिग्रह है। मन की भूख का दूसरा नाम परिग्रह है। मन बहिमुर्खी है,, मन अधोगामी है। इसलिए...

मन - मन्दिर में नहीं, मण्डी में लगता है।
मन - जाप में नहीं, पाप में लगता है।
मन - शुभ में नहीं, अशुभ में लगता है।

मन और पानी का स्वभाव एक सा है, क्योंकि दोनों अधोगामी है। मन भी पानी की तरह नीचे की ओर बहता है। पानी जिधर गड्ढा या ढलान हो, उसी दिशा में बहेगा। मन की भी यही आदत है। मन जीवन की ऊंचाई को, आनंद की गहराई को नहीं पहचानता है। वह तो क्षुद्र में रमता है, क्षुद्र में जीता है। भोग विलास, कामना, वासना ये क्षुद्र नहीं तो ओर क्या है। *यदि आप भोग विलास, कामना, वासना की क्षुद्रता से कुछ सीखते हैं, तो वह सीढ़ी का काम भी कर सकती है। जैसे तुलसीदास...।

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

चार दिवसीय मल्टी मीडिया कला प्रदर्शनी 'सेमेस्टर शो' शुरू

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, में नवगठित दृश्य कला संकाय के तहत नवीन पाठ्यक्रम बैचलर आफ विजुअल आर्ट्स के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा सृजित कार्यों की कला प्रदर्शनी का उद्घाटन शहर के वरिष्ठ कलाकार सुरेश शर्मा, प्रो.एल एल वर्मा, चरण शर्मा, अरूण चतुर्वेदी ने मंगलवार को किया। गौरतलब है कि इस चार दिवसीय कला प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के वार्षिक सृजनात्मक

अध्ययन कार्यों को विभाग की कलादीर्घा में प्रदर्शित किया गया है। दृश्य कला संकाय निदेशक प्रोफेसर हेमंत द्विवेदी ने बताया कि वार्षिक कला प्रदर्शनी में बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट प्रथम सेमेस्टर के फाउंडेशन विद्यार्थियों की वार्षिक कला यात्रा में विद्यार्थियों द्वारा सृजित 100 से अधिक सृजनात्मक कार्यों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी संयोजक डॉ.दीपिका माली ने बताया कि विविध माध्यमों में बने चित्र, स्कल्पचर, प्रिंट मेकिंग, ग्राफिक डिजाइन, ड्राइंग्स को प्रदर्शनी में सम्मिलित किया गया है। प्रो. शर्मा ने प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के सृजनात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके द्वारा सृजित कलाकृतियों की तकनीक और विषय के बारे में विस्तृत चर्चा की और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। प्रदर्शनी के अवसर पर विभाग के प्रो. मदन सिंह राठौड़, डॉ. धर्मवीर वशिष्ठ, डॉ.शाहिद परवेज, रोकेश कुमार सिंह, डॉ. मयंक शर्मा, डॉ.गौरव शर्मा, यामिनी शर्मा, सुनील निमावत सहित कई कलाप्रेमी उपस्थित रहे। बता दें, यह प्रदर्शनी कला प्रेमियों के अवलोकनार्थ 7 से 9 फरवरी रोजाना सुबह 11 से शाम 4 बजे तक खुली रहेगी। रिपोर्ट/फोटो : **योवंतराज माहेश्वरी**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com